जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 136
दिनांक 24.08.2023

बोरलाग इंस्टीट्यूट फार साउथ एशिया एवं जनेकृविवि के बीच हुआ एम.ओ.यू.
कृषि शिक्षा अनुसंधान एवं विस्तार को मिलेंगे नये पंख

जबलपुर 24 अगस्त, 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर एवं बोरलाग इंस्टीट्यूट फार साउथ एशिया (BISA) के मध्य कृषि शिक्षा, शोध, विस्तार के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर भविष्य में कार्ययोजना बनाकर कार्य करने हेतु एम.ओ.यू. किया गया। अनुबंध में बोरलाग इंस्टीट्यूट एवं साउथ एशिया के मैनेजिंग डायरेक्ट, सीमिट,रिप्रेजेटिव ऑफ साउथ एशिया डॉ. अरूण कुमार जोशी एवं जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा द्वारा अनुबंध (MOU) में हस्ताक्षर किया गया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा ने कहा कि बीसा अंतर्राष्ट्रीय संस्था एवं विश्वविद्यालय के मध्य यह अनुबंध एक बेहतरीन शुरूआत है, भविष्य में इसका सर्वाधिक लाभ कृषि वैज्ञानिक, कृषि के छात्र–छात्राओं एवं हमारे कृषकों को प्राप्त होगा।

इस अति महत्वपूर्ण एम. ओ. यू. करने का उद्देश्य बोरलॉग इंस्टीट्यूट आफ साउथ एशिया एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है, जो भारत में तीन स्थानों पर लुधियाना पंजाब, समस्तीपुर बिहार एवं जबलपुर मध्यप्रदेश में कार्य कर रही है, इसमें जबलपुर एक महत्वपूर्ण स्थान है। जहां संरक्षित कृषि के क्षेत्र में, गेहूं एवं मक्का के अनुसंधान कार्यों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ पर परस्पर मिलकर शोध कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा। मक्का के अनुसंधान कार्यों में विभिन्न प्रकार की समस्याओं को आईडेंटिफाई करने के उपरांत उस क्षेत्र विशेष में शोध कर समाधान ढूंढने पर परस्पर कार्य करने की भविष्य में योजना बनाई जा रही है। गेहूं के क्षेत्र में क्लाइमेट चेंज एवं विभिन्न प्रकार की क्षेत्र विशेष के अनुसार समस्याओं को दोनों संस्थाओं के वैज्ञानिक मिलकर एवं कृषकों के प्रक्षेत्र पर भ्रमण करने के उपरांत समस्याओं के समाधान पर कार्य किया जाएगा। वर्तमान में जलवायु परिवर्तन, मक्का एवं गेहूं की उपज में आ रही कमी जैसे महत्वपूर्ण विषय पर शोध एवं समाधान ढूंढने की दिशा में आगे बढ़कर काम संपादित होगा। भविष्य में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं छात्र–छात्राओं को बोरलॉग इंस्टीट्यूट के माध्यम से विदेश में शोध कार्यों हेतु भेजा जाएगा ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छात्र–छात्राओं को एवं वैज्ञानिकों को कार्य करने का अवसर प्राप्त हो सकें।

इस दौरान जबलपुर बीसा के वैज्ञानिक डॉ. रवि गोपाल सिंह, बीसा साइंटिफिक लीड, श्री महेश मस्के, हब को–आर्डिनेटर बीसा, श्री ललित शर्मा, बीज उत्पादन प्रशिक्षण विशेषज्ञ, श्री नारेन धार, रिसर्च एसोसिएट बीसा, श्री विनीत चौबे, फील्ड रिसर्च टेक्नेशियन, श्री विवेक सिंह, कन्सल्टेन्ट बीसा के साथ ही जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतू, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. आर.एस.शुक्ला, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, डॉ. एम.एल.केवट,सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. शेखर सिंह बघेल आदि की उपस्थिति रही।